राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 35 | जौनपुर बुधवार, 17 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

एल्गार परिषद केस में शीर्ष कोर्ट से महेश राउत को राहत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एल्गार परिषद–भीमा कोरेगांव मामले के आरोपी महेश राउत को मंगलवार को बड़ी राहत मिली। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ राउत की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद अपनी नजरबंदी को चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने राउत की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह के इस तर्क पर गौर किया कि आरोपी रूमेटाइड अर्थराइटिस से पीड़ित है। पीठ ने कहा, श्आवेदक चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत मांग रहा है और इस तथ्य को भी ध्यान में रखते हुए कि उसे वास्तव में बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत दी गई थी, हम छह हफ्ते की अवधि के लिए चिकित्सा जमानत देने के पक्ष में हैं। हाईकोर्ट ने राउत की जमानत याचिका स्वीकार कर ली थी, लेकिन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अनुरोध पर अपने आदेश पर एक हफ्ते के लिए रोक लगा दी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने मामले में उसकी रिहाई पर लगी रोक बढ़ा दी। राउत के वकील ने पहले कहा था कि कार्यकर्ता रूमेटाइड अर्थराइटिस से पीड़ित हैं और उन्हें विशेष चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता है, ।

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने टायर पायरोलेसिस ऑयल यूनिटों का किया निरीक्षण

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पर्यावरण अनुकूल औद्योगिक गतिविधियों को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने राज्यभर में सभी टायर पायरोलेसिस ऑयल (टीपीओ) यूनिटों का व्यापक निरीक्षण किया। पंजाब के विभिन्न जिलों में स्थित 17 टीपीओ यूनिटों के एक साथ निरीक्षण के लिए पर्यावरण अभियंता रैंक के अधिकारियों सहित 17 टीमें तैनात की गई थीं। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार इन निरीक्षणों का उद्देश्य पर्यावरण सुरक्षा उपायों, सुरक्षा प्रोटोकॉल और कानून व निर्धारित दिशा–निर्देशों के तहत आवश्यक प्रदूषण नियंत्रण उपायों के अनुपालन का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण से पता चला कि 17 में से 11 यूनिट निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन नहीं कर रही थीं। आम उल्लंघनों में उचित वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की कमी, पायरो गैस का असुरक्षित प्रबंधन और गंदे पानी के प्रबंधन में खामियां शामिल थीं। इन उल्लंघनों पर सख्त संज्ञान लेते हुए पीपीसीबी ने अनुपालन न करने वाली यूनिटों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें नोटिस जारी किए हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राज्य में औद्योगिक विकास के साथ–साथ सतत विकास और पर्यावरण सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने संकल्प को दोहराया। प्रवक्ता ने आगे कहा कि बोर्ड उद्योगों द्वारा सुरक्षित तकनीकों को अपनाने के लिए दृढ़ है।

मॉरीशस के पीएम ने राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत दौरे पर आए मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने मंगलवार को दिल्ली में राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। उन्होंने भारत और मॉरीशस के संबंधों को मजबूत करने पर बात की। बीते नौ सितंबर को भारत दौरे पर पहुंचे मॉरीशस के प्रधानमंत्री बीते लगभग एक हफ्ते में कई जगहों का दौरा कर मंगलवार को दिल्ली लौटे।

दिल्ली आने के बाद उन्होंने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। महात्मा गांधी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद रामगुलाम ने राजघाट में आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों देशों के बीच संबंध अद्वितीय हैं और हमारे साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों पर आधारित हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री रामगुलाम के व्यापक नेतृत्व अनुभव से भारत–मॉरीशस के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध आने वाले समय में और भी मजबूत होंगे। दिल्ली पहुंचने से पहले मॉरीशस के पीएम आंध्र प्रदेश के तिरुपति में तिरुमाला मंदिर के दर्शन किए। वे ब्रह्मऋषि आश्रम के कार्यक्रम में भी शामिल हुए। आश्रम के सिद्ध गुरु सिद्धेश्वर ब्रह्मास्मि गुरुदेव स्वामी ने उन्हें राष्ट्रपिता जैसा बताया। उनकी सादगी और नेतृत्व की सराहना करते हुए सिद्ध गुरु ने कहा, मॉरीशस में यह संस्था 1,000 मिलियन डॉलर का निवेश कर शिक्षा व विकास में योगदान करेगी। स्वामी ने कहा कि रामगुलाम मॉरीशस के संस्थापक हैं,।

युवा पीढ़ी ही सबसे बड़ी ताकत : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से ड्रग्स के खतरे को पूरी तरह मिटाने के लिए दृढ़ संकल्पित है और इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एंटी–नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का आयोजन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने किया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित और महान राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया है। इस सपने को पूरा करने के लिए देश का सुरक्षित होना जरूरी है और सुरक्षा तभी संभव है जब युवा पीढ़ी को ड्रग्स के खतरे से बचाया जाए। उन्होंने कहा कि युवा

किसी भी राष्ट्र की नींव होते हैं और यदि वे नशे की चपेट में आ जाएंगे तो देश कमजोर हो जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई का पैमाना बड़ा किया जाए ताकि आने वाले दिनों में ज्यादा सफलता मिले। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में यह देखा गया है कि किसी राष्ट्र की प्रगति और ड्रग्स की चुनौती का सीधा संबंध है। दुर्भाग्य से, जिन दो क्षेत्रों से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा ड्रग्स की सप्लाई होती है, वे भारत के नजदीक हैं। इसलिए यह समय है कि हम इस खतरे के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ें। शाह ने कहा कि ड्रग्स के कारोबार में तीन तरह के कार्टेल सक्रिय हैं। पहला, वे कार्टेल जो देश के एंट्री पॉइंट्स पर काम करते हैं। दूसरा, वे जो एंट्री पॉइंट से राज्यों तक सप्लाई नेटवर्क संभालते हैं। तीसरा, वे छोटे स्तर के कार्टेल जो पान की दुकानों और मोहल्लों तक ड्रग्स बेचने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों पर सख्त प्रहार करना होगा और यह तभी संभव है जब अधिकारी इसे अपनी लड़ाई समझकर आगे बढ़ें। गृह मंत्री ने कहा कि ड्रग्स कारोबार में शामिल विदेश में बैठे अपराधियों को कानून के दायरे में लाना अब बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने इस दिशा में अच्छा काम किया है। शाह ने सभी |छज्थ् प्रमुखों से अपील की कि वे सीबीआई से समन्वय कर प्रत्यर्पण की एक मजबूत व्यवस्था बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जो अपराधी जेलों में बंद हैं लेकिन वहीं से कारोबार चला रहे हैं, ।

शिक्षक की टीईटी योग्यता को नजर अंदाज करना उचित नहीं : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश शशिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता पर बेसिक शिक्षा विभाग को रिवीजन दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यूपी के शिक्षक अनुभवी हैं। समय–समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने सीएम के इस निर्णय का स्वागत किया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश

चंद्र शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री का निर्णय स्वागत योग्य एवं शिक्षक हित में है। उन्होंने अनुरोध किया है कि विभाग द्वारा रिवीजन में जाने से पूर्व एनसीटीई द्वारा यह भी स्पष्ट कराया जाए कि आरटीई–2009 के सेक्शन–23(2) का संशोधन आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों पर लागू नहीं होता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षकों को बड़ी राहत देने वाला फैसला लिया है. मुख्यमंत्री ने विभाग को निर्देश दिया है कि सुप्रीम द्वारा शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता संबंधी आदेश के खिलाफ रिवीजन दाखिल किया जाए. सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के शिक्षक लंबे समय से शिक्षा सेवा में योगदान दे रहे हैं और उन्हें सरकार की ओर से समय–समय पर प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता रहा है. ऐसे में उनकी अनुभवजन्य योग्यता और वर्षों की सेवाओं को नजरअंदाज करना उचित नहीं है. योगी सरकार का यह कदम शिक्षकों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है.

महाराष्ट्र में 31 जनवरी 2026 तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 31 जनवरी, 2026 तक राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने महाराष्ट्र के अधिकारियों को इस साल 10 अक्तूबर तक राज्य में परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष न्यायालय ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि 6 मई को जारी उसके तर्कसंगत आदेश के बावजूद राज्य चुनाव आयोग इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई करने में विफल रहा। तत्कालीन आदेश में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना चार सप्ताह के भीतर और चुनाव चार महीने के भीतर कराने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने अब महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव कराने के लिए कार्यक्रम निर्धारित करते हुए समय सीमा में और विस्तार दे दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट

किया कि इस संबंध में आगे कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा। इससे पहले 22 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में शीर्ष अदालत के उस आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी, जिसमें राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया था कि नई आरक्षण नीति उन 367 स्थानीय निकायों पर लागू नहीं होगी, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। इसके बाद सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर अपने आदेश को वापस लेने या उसमें संशोधन की मांग की थी। शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई 2022 को राज्य चुनाव आयोग को चेतावनी दी थी कि अगर उसने स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया को फिर से अधिसूचित किया।

बिहार में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के ऋण के लिए ब्याज नहीं लिया जाएगा – नीतीश कुमार

पटना, (एजेंसी)। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के ऋण के लिए ब्याज नहीं लेने की घोषणा की है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वयं इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, बिहार में सात निश्चय योजना के अंतर्गत 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, उनके लिए 2 अक्टूबर 2016 से बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना लागू है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट

कार्ड योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अधिकतम चार लाख रुपए का शिक्षा ऋण सामान्य आवेदक को चार प्रतिशत ब्याज दर पर तथा महिला, दिव्यांग एवं ट्रांसजेंडर आवेदक को मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर दिया जाता है। उन्होंने आगे लिखा, मुझे यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि अब स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले शिक्षा ऋण की राशि सभी आवेदकों के लिए ब्याज रहित होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि दो लाख रुपए तक के शिक्षा ऋण को 60 मासिक किस्तों (5 वर्ष) में वापस करने का प्रावधान था, जिसे अब बढ़ाकर अधिकतम 84 मासिक किस्तों (7 वर्ष) में तथा दो लाख से ऊपर ऋण राशि को 84 मासिक (7 वर्ष) किस्तों से बढ़ाकर अधिकतम 120 मासिक (10 वर्ष) किस्तों में वापस करने का प्रावधान किया गया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पोस्ट में आगे लिखा, हम लोगों का उद्देश्य है कि राज्य के अधिक से अधिक छात्र–छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें।

कर्नाटक के राज्यपाल ने विधेयक लौटाया, झीलों का बफर जोन कम करने पर मांगा स्पष्टीकरण

बंगलूरू, (एजेंसी)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य में झीलों या तालाबों के आसपास के बफर जोन के आकार को कम करने वाला विधेयक सरकार को लौटा दिया है और सरकार से इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है। हाल ही में कर्नाटक विधानसभा के दोनों सदनों में पारित कर्नाटक टैंक संरक्षण और विकास प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक में जलाशयों के क्षेत्रफल के आधार पर झीलों के बफर जोन को कम करने का प्रस्ताव है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा है कि उठाए गए मुद्दों पर राज्य सरकार से स्पष्टीकरण लेना जरूरी है, और यह भी जानना जरूरी है कि इस संशोधन का कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ेगा। राज्यपाल कार्यालय से

सरकार को भेजे एक पत्र में कहा गया है कि, श्इस संबंध में सही स्पष्टीकरण के साथ फाइल को फिर से प्रस्तुत करने के लिए राज्य सरकार को वापस कर दिया जाए।श राज्यपाल ने सरकार को भेजे अपने पत्र में ये भी कहा कि बंगलूरू टाउन हॉल एसोसिएशन ने उनके कार्यालय से इस विधेयक को मंजूरी न देने का अनुरोध किया है। एसोसिएशन ने चिंता व्यक्त की है कि विशेषज्ञों की राय के अनुसार, वर्तमान झील बफर जोन 30 मीटर ही अपर्याप्त है, और पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन के लिए करीब 300 मीटर बफर जोन होना चाहिए। एसोसिएशन ने कहा है कि बफर जोन को बढ़ाया जाना चाहिए, न कि घटाया जाना चाहिए। एसोसिएशन के अनुसार, श्यह संविधान और स्थापित कानून का उल्लंघन है, और प्रत्येक नागरिक के लिए हानिकारक है, यह नागरिकों के जल सुरक्षा और स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार को प्रभावित करता है। राज्यपाल ने कहा है कि राज्य सरकार ने इस संशोधन के असर के बारे में न तो विशेषज्ञ समिति से और न ही जनता से परामर्श किया है। विधेयक में जल निकायों के लिए क्षेत्रवार बफर जोन बनाने और प्राधिकरण की पूर्व स्वीकृति से सड़क, पुल, विद्युत लाइन, जल आपूर्ति लाइन, भूमिगत जल निकासी (यूजीडी) लाइन, जैकवेल या पंप हाउस या सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), इंटरमीडिएट सीवेज पंपिंग।

पाकिस्तान के साथ न खेलकर दृढ़ता दिखानी चाहिए थी : उद्धव ठाकरे

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एशिया कप में भारत–पाकिस्तान मैच को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलने से भाजपा की देशभक्ति का ढोंग उजागर हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश को इसमें भाग न लेकर दृढ़ता दिखानी चाहिए थी। भारत ने रविवार को खेले गए मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। हालांकि पहलगाम आतंकी हमले के चलते सोशल मीडिया पर इस मैच का बहिष्कार करने की मांग उठ रही थी। पाकिस्तान से मैच खेलने को लेकर बीसीसीआई की भी आलोचना

हो रही है। ठाकरे ने मीडिया से बात करते हुए कहा, श्भाजपा का ढोंग उजागर हो गया है। भारत को (पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच) न खेलकर दृढ़ता दिखानी चाहिए थी। ठाकरे ने कहा कि अब यह साफ है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कई देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के बावजूद भारत को देशों से समर्थन क्यों नहीं मिला। ठाकरे ने कहा, श्जब हमने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का जनक है, तो दुनिया आपसे सवाल पूछेगी। आप पाकिस्तान के दुश्मन हैं या दोस्त? अगर आप उनके दुश्मन हैं, तो सारे रिश्ते तोड़ दीजिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने क्रिकेट मैच विवाद में भाजपा का समर्थन करने के लिए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, उन्हें सिर्फ अपनी कुर्सी प्यारी है, देश नहीं।श ठाकरे ने महायुति सरकार पर 9 लाख करोड़ रुपये के बढ़ते कर्ज और खराब वित्तीय स्थिति के बावजूद नई योजनाएं शुरू करने पर भी निशाना साधा। राज्य पर बढ़ते कर्ज के बोझ को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, श्अगर आप ठेकेदारों के फायदे के लिए कर्ज ले रहे हैं ।

गांवों के विकास कार्यों की निगरानी के लिए बनेगीं कमेटियां : सीएम मान

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने जमीनी स्तर पर विकास कार्यों की निगरानी के लिए गांव स्तर पर निगरानी कमेटियों के गठन की घोषणा की है। यहां युवा क्लबों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पंजाब के विकास में तेजी लाने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता के करदाताओं के पैसे का सही उपयोग सुनिश्चित करना समय की मांग है, जिसके लिए लोगों के स्तर पर निगरानी बहुत जरूरी है। भगवंत सिंह मान ने बताया कि इस उद्देश्य के तहत विकास कार्यों की निगरानी एवं उनके सुचारू और पारदर्शी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु गांव स्तरीय निगरानी कमेटियां बनाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कमेटियों में युवा क्लबों के सदस्य तथा गांव के अन्य चुने हुए प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये कमेटियां जमीनी स्तर पर सरकारी फंडों के उचित उपयोग को सुनिश्चित करने हेतु सार्थक भूमिका अदा करेंगी।

भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि ये कमेटियां परियोजनाओं के निर्बाध कार्यान्वयन की जिम्मेदारी लेंगी ताकि आम लोगों को इसका लाभ मिल सके। लोगों विशेषकर युवाओं की सक्रिय भागीदारी से पंजाब के सर्वपक्षीय विकास के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने गांव स्तर पर खेलों को प्रोत्साहित करने में युवा क्लबों को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने ऐसे प्रयासों हेतु प्रदेश सरकार की पूरी समर्थन देने का भरोसा भी दिया।

संपादकीय

प्रदूषण के पटाखे

भारत जैसा देश, जो दुनिया भर के प्रदूषित देशों में पांचवें नंबर पर हो, जहां दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर हो और तेरह अन्य शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हों, वहां हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। लेकिन विडंबना यह कि इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा केवल दिल्ली के प्रदूषण और पटाखों पर अंकुश लगाने को लेकर होती है। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। वैसे तो राष्ट्रीय राजधानी में वायु दूषित होने के तमाम कारक हैं,लेकिन पटाखों से होने वाले प्रदूषण की चर्चा गाहे–बगाहे होती है। खासकर कुछ प्रमुख त्योहारों के मौके व निजी समारोहों में जलाये जाने वाले पटाखों को लेकर लगातार सवाल उठाये जाते हैं। इसकी वजह यह है कि यह प्रदूषण का ऐसा कारण है जिससे बचा जा सकता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि दिवाली आदि के मौके पर हवा की गुणवत्ता में भारी गिरावट देखी जाती है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है। कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं। इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायानिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है। लेकिन हम इसके बावजूद निजी सुख के लिये दूसरों के जीवन से खिलवाड़ से परहेज नहीं करते। सही मायनों में असली खुशी वही होती है जिससे हमारा समाज सुखी, स्वस्थ और खुश रह सके। अब चाहे हमारे त्योहार हों या निजी उत्सव, वे समाज के लिये अहितकारी नहीं होने चाहिए। देर–सवेर इस संकट की कीमत हर नागरिक को चुकानी पड़ती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बर्नीहाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। यही वजह है कि अदालत को कहना पड़ा कि साफ हवा देश के हर नागरिक का अधिकार है।

ओजोन विघटन एक अभिशाप (ओजोन दिवस पर, विशेष)

(प्रो०फे० जी०सी० पाण्डेय (अवकाश प्राप्त) उ०प्र० सरकार द्वारा सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरण विद)

यह युग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का हैं जिसमें पूरा विष्व भौतिक विकास हासिल करने की होड़ में लगा है। इस दौड़ में जाने–अनजाने हमने अनेक विसंगतियों को जन्म दिया है जिसमें प्रदूशण एक अहम समस्या है। इसी के चलते भूमण्डल में हवा, पानी एवं मिट्टी बुरी तरह प्रदूशित हुए है। जीने के लिए स्वच्छ हवा एवं पीने के लिए स्वच्छ जल कम लोगों को मिल रहा है। एक रिपोर्टानुसार अगले पच्चीस सालो में दुनिया को पेयजल के घनघोर संकट का सामना करना पड़ सकता है। मानना है कि अगला विष्व युद्ध राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक हितो के चलते नहीं, वरन पानी के लिए होगा। परिस्थितियाँ जिस तरह बदल रही हैं और धरती पर संसाधनों के अत्याधिक दोहन के चलते जिस तरह से जबर्दस्त दबाव पड़ रहा हैं तथा समूची परिस्थिति तंत्र जिस तरफ चरमरा रहा है, उसके चलते कुछ भी संम्भव है। हम आज पर्यावरणीय प्रदूशण के संदर्भ में और ओजोन विद्यटन (छय) के बारे में अपना विचार लिखे है। यह ओजोन है क्या? यह कहाँ स्थित है और इसकी उपयोगीकर्ता क्या है और इसका विघटन क्यों और कैसे हो रहा है? इससे खतरे क्या–क्या है? और यदि ये खतरे एक सही हकीकत है तो इस दिषा में हम कितने गम्भीर हैं और इससे निपटने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं? ओजोन एक गैस है जो नीले रंग की होती है तथा आक्सीजन के तीन परमाणुओं से मिलकर बनती है। यह प्रकृति में तीक्ष्ण और विशैली होती है तथा यह मानव–स्वास्थ्य के लिए हारिकारक होने के साथ–साथ ष्वसन नलिकाओं में जाने पर जलन पैदा करती हैं। लेकिन वायुमण्डल में मौजूद यही गैस हमारी रक्षा भी करती है। यह वह गैस है जिसकी वजह से धरती पर जीवन फल–फूल सका है। धरती पर जीवन के अस्तित्व का श्रेय ओजोन को ही जाता है। ओजोन गैस वायुमण्डल में 15–20 कि०मी० की ऊँचाई तक पायी जाती है जिसको स्ट्रेटोस्फियर कहते हैं। ओजोन की सबसे ज्यादा सान्द्रता धरती से 25 कि०मी० की ऊँचाई पर होती है। सौर विकिरण में दृष्य प्रकाष, अवरक्त किरणें और परबैंगनी किरणें होती है। यह किरणें अल्प तरंग दैर्ध्य की होतीं जो अतिघातक होने के साथ–साथ ज्यादा ऊर्जा रखती हैं। यह ओजोन बाह्य अन्तरिक्ष से आने वाली परबैगनी किरणों को अवषोशित कर धरती तक नहीं आने देती हैं। यही किरणे यदि बिना रोक–टोक ध ारती की सतह तक आ जाय तो इन्सान के साथ ही जीवमण्डल के तमाम दूसरे जीव–जन्तुओं को भारी नुकषान हो सकता है। उक्त पराबैगनी किरणों से मनुश्य में त्वचा कैन्सर से लेकर दूसरे अनेक तरह के रोग हो सकते हैं। जिस तरह जीवन में सामान्य छतरी धूप एवं बरसात से बचाव करती हैं, उसी तरह वायुमण्डल में स्थित ओजोन की परत हमें घातक किरणों से बचाती है। इसलिए प्रायः इसे ओजोन छतरी के नाम से पुकारते हैं।यह छतरी जीव–जन्तुओं एवं पेड़–पौधों की रक्षा कर रही हैं। विकास की दौड़ में हमने संसाधनों का अन्धा–धुन्ध इस्तेमाल किया और हमें इस बात का ध्यान नहीं दिया कि इनका दुश्प्रभाव क्या हो सकता है। हमारे कृत्यों से प्राकृतिक सन्तुलन चरमरा गया हैं तथा भूमण्डल की प्रत्येक चीज को प्रभावित किया है।

ओजोन विघटन क्यों और कैसे हो रहा है?

दैनिक जीवन में प्रायः कीटनाषक, प्रसाधन सामग्री, दवाएँ, रंग रोगन से लेकर प्रषीतक (फ्रीज) और ए.सी. बगैरह में प्रषीतन का अहम स्थान है। प्रषीतन के लिए अमोनिया एवं सल्फर डाइआक्साइड गैसों का प्रयोग 1930 के पहले होता था, लेकिन इनके इस्तेमाल से अनेक व्यवहारिक कठिनाइयाँ थी। उक्त गैसे तीक्ष्ण एवं मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डालती थी। इसी क्रम में तीस के दषक में थामस मिडले द्वारा क्लोरोलोरो कार्बन (सी.फ.सी.) नामक यौगिक की खोज, प्रषीतन के क्षेत्र में, एक क्रान्तिकारी उपलब्धि रही। यह रसायन सर्वोत्तम प्रषीतक के साथ–साथ रंगहीन, गंधहीन, अक्रियाषील अज्वलनषील थे, इसलिए सी.फ.सी. यौगिक का उत्पादन होने लगा और घरेलू कीटनाषक, प्रसाधन सामग्री, दवाएँ, रंग–रोगन से लेकर फ्रीज और ए.सी. में इनका खूब प्रयोग होने लगा। इनका खास गुण है कि ये नश्ट नहीं होते, न तो आक्सीकरण होता है और न ही अपघटन तथा ये पानी में भी नहीं घुलते।

एक अमेरिकी वैज्ञानिक एफ.एस. रोलैंड का ध्यान इस ओर गया कि ये यौगिक धरती की ओजोन परत को नश्ट कर रहे हैं परन्तु इनकी बातो को लोगों ने ध्यान नहीं दिया। 1985 में ब्रिटिष टीम ने रोलैंड की बात का समर्थन किया और अध्ययन कर के बताया कि दक्षिणी ध्रूव क्षेत्र में ओजोन परत काफी छीज चुकी है और उसकी वजह से एक बड़ा छिद्र बन गया है। अमेरिकी उपग्रह एवं ब्रिटिष टीम ने चैताया कि यदि बहुत जल्दी ओजोन विघटन को न रोका गया तो ओजोन परत के छीजने से आने वाली पराबैगनी किरणों से धरती के तापमान में वृद्धि होगी तथा अनेकानेक तरह की त्वचा सम्बन्धी व्याधियाँ फैलेंगी। त्वचा के कैन्सर रोगियों की संख्या बढ़ेगी। सी.फ.सी. रसायन (ओ.डी.एस.) चूकि हल्के होते हैं, इसलिए इस्तेमाल में आने के बाद मुक्त होकर ये सीधे वातावरण में ऊँचाई पर चले जाते हैं। वायुमण्डल में ऊपर पहुँचने पर ये यौगिक पराबैगनी किरणों के सम्पर्क में आते है जहाँ इनका प्रकाष अपघटन (फोटोलिसिस) होता हैं जिससे क्लोरीन मुक्त मूलक पैदा होते हैं। क्लोरीन के ये मुक्त मूलक ओजोन से अभिक्रिया करके उसे आक्सीजन में बदल देते है। जिससे ओजोन का ह्रास होता हैं और ओजोन की परत धीर–धीरे छीजती जा रही है। यह इतनी सक्रिय है कि उससे निकला एक क्लोरीन मुक्त मूलक ओजोन गैस के एक लाख अणुओं को तोड़कर आक्सीजन में बदल देता हैं। 4 भाग/अरब का योगदान जलवायु को गरम करने के लिए है। एक रिपोर्टानुसार 1974 में पूरी दुनिया भी सी.फ.सी. की खपत व 9 लाख टन थी। कई बर्फो में षोध के बाद मालूम चला कि दक्षिणी ध्रूव के ऊपर मौजूद छिद्र का आकार बढ़ता जा रहा है तथा ध्रुव के ऊपर भी ओजोन के विघटन और ओजोन आवरण में पाये जाने की सूचना बेहद चिन्तनीय है। ओजोन संकट पर विचार करने के लिए दुनिया के अनेकों देषों की पहली बैठक वियना (1985) में हुई तदुपरान्त कनाडा (1987) के शहर मांट्रियल में हुई। इस बैठक में पारित प्रस्ताव 'मांट्रियल प्रोटोकाल' कहते है। इसमें प्रावधान रखा गया कि सभी देष सी.फ.सी. 1995, तक 50 प्रतिषत एवं 1997 तक 85 प्रतिषत की कटौती करेंगे। लेकिन विभिन्न मुद्दो पर विकसित और विकासषील देषों के बीच मतभेद उभरकर सामने आया। मुद्दा था गैर सी.एफ.सी. प्रौद्योगिकी तथा उसके हस्तान्तरण विकासषील चाहते थे कि इस पर आने वाला खर्च धनी देष वाहन करें क्योंकि ओजोन विघटन के लिए वे ही जिम्मेदार हैं। एक रिपोर्टानुसार 1990 में आकड़ानुसार पूरी दुनिया में सी.फ.सी. की खपत 12 लाख टन तक पहुँच गयी थी, जिसकी 30 प्रतिषत हिस्सेदारी अकेले अमेरिका की थी। भारत का मात्र 0.6 प्रतिषत था जिसमें अमेरिका की खपत 50 गुना ज्यादा थी। उक्त समस्या हेतु लन्दन में बैठक के पश्चात् निर्णय लिया गया कि नये प्रषीतन की खोज, पुरानी तकनीक में विस्थापन के लिए कोश की मांग की गयी थी, जिसके चलते विकसित देषों को कई रियायते देनी पड़ी। यह व्यवस्था दी गयी कि 2010 तक विकासषील देष सी.एफ. सी. का इस्तेमाल बन्द कर दें। मांट्रियस प्रोटोकाल समझौते के तहत संयुक्त राश्ट्र संघ महासभा द्वारा 23. 01.1995 में अंगीकृत किये गये संकल्प में निर्णय किया गया कि प्रत्येक वर्श 16 सितम्बर को अन्तर्राश्ट्रीय ओजोन परत सरंक्षण दिवस के रूप में मनाया जाय। स्थिति को गम्भीरता को देखते हुए सभी देषों ने समुचित कदम उठाने षुरू कर दिए हैं। 'ग्रीन हाऊस' के प्रभाव के कारण आज धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। जिसमें ओजोन विघटन की अहम भूमिका है। पराबैगनी किरणे जब धरती तक आती हैं तो स्थलमण्डल में मौजूद वस्तुओं द्वारा अवषोशित कर ली जाती है। ये वस्तुएँ पराबैगनी में अवषोशण के बाद अवरक्त विकिरण उत्सर्जित करती हैं। यह वायस वायुमण्डल के बाहर नहीं जा सकती क्योंकि हवा में मौजूद कई गैसे उन्हें अवषोशित कर लेती है। धरती का तापमान बढ़ने से ध्रूवों पर जमी हुई बर्फ पिघलने के समाचार आ रहें है। ऐसा होने से समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा एवंत माम तटीय क्षेत्र पानी में डूब जायेंगें। तापवृद्धि से जलवायु में बदलाव आयेगा। मानसून में परिवर्तन के साथ कही अतिवृश्टि तो कही अकाल जैसी स्थिति आ सकती है। एक रिपोर्ट में पाया गया कि गंगोत्री स्थित गोमुखहिमनद प्रति साल 18 मीटर पीछे की ओर खिसकता जा रहा हैं। अगर यही हाल रहा तो दूसरे हिमनद भी गलकर समाप्त हो जायेंगे तथा उत्तर भारत में बहने वाली नदियों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। मैदानी क्षेत्रों की उपजाऊ भूमि ऊसर में बदले जाने की सम्भावना हैं। उपरोक्त स्थिति को काबू नहीं किया गया तो भविश्य में गम्भीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। ओजान विघटन के दुश्प्रभावों के चलते इन्सानी सभ्यता संकटायन्त्र है। विकल्प के तौर पर एस.एफ.सी. का उपयोग किया जा रहा है परन्तु कोई खास प्रगति नहीं हैं। ओजोन परत का संरक्षण विष्व व्यापी है तथा इस क्षय रोकने के लिए जिम्मेदारी केवल विष्व समुदाय की ही नहीं है, परन्तु हम सभी का है। कही ऐसा न हो वरदान साबित होने वाली परत कही विनाष का कारण बन जाय। विष्व ओजोन के उपलक्ष्य में हम सभी कृत संकल्प है कि ओ.डी.एस. का उपयोग/उपयोग नहीं करेंगे एवं जीवन दायिनी ओजोन परत के क्षरण को रोकने में भागीदार बनेंगें। अतः जरूरत है कि निपटने के लिए तत्काल समग्र कदम उठाएँ जाय ताकि हम सुन्दर एवं सुदृढ़ भविश्य की कल्पना कर सके।

.... विविध ....

पुरखों का पुण्य स्मरण और श्रद्धा की थाली

श्राद्ध में की जाने वाली तैयारियां क्षेत्रीय और पारिवारिक परंपराओं के आधार पर भिन्न–भिन्न होती हैं। जिसमें तर्पण, पिंड दान और भोजन प्रमुख है। पंजाब–हरियाणा समेत कुछ क्षेत्रों में भोज के रूप में लोग पितरों की पसंद के व्यंजन बनाते हैं। मान्यता है कि इससे दिवंगत पितरों की आत्मा

प्रसन्न होती है। श्राद्ध की थाली में मीठा जैसे खीर या लड्डू शामिल करते हैं। वहीं भोजन को सात्विक रखने के लिए लहसुन आदि का उपयोग निषिद्ध रहता है।

अभी श्राद्ध चल रहे हैं। श्राद्ध हिंदू संस्कृति में किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण संस्कार है। इसमें पितरों के लिए दान, तर्पण किये जाते हैं। इस दौरान पारंपरिक खाना बनाया जाता है। भोज में तैयार की गई थाली में आम तौर पर विभिन्न तरह के व्यंजन शामिल होते हैं। मान्यता है कि इससे दिवंगत पितरों की आत्मा को प्रसन्न होती है। श्राद्ध की थाली में मीठा पदार्थ जैसे खीर या लड्डू शामिल करते हैं। आज आप दो तरह की खीर की रेसिपी जानेंगे। वहीं श्राद्ध में की जाने वाली तैयारियां क्षेत्रीय और पारिवारिक परंपराओं के आधार पर भिन्न होती हैं। पंजाब–हरियाणा समेत कुछ क्षेत्रों में लोग वे व्यंजन बनाते हैं, तो पितरों को पसंद होते हैं। वहीं राजस्थान समेत कई क्षेत्रों में बिना प्याज और लहसुन का खाना तैयार किया जाता है। थाली में मीठी दही को प्रसाद के रूप में भी शामिल किया जाता है। जानिये श्राद्ध भोज की थाली तैयार करते वक्त किन चीजों को शामिल कर सकते हैं।

दाल मखनी

क्या चाहिए – साबुत उड़द दाल– 1 कप, राजमा– 2 टेबल स्पून, टमाटर प्यूरीदृ 2 कप, अदरक पेस्टदृ 1/2 टी स्पून, क्रीमदृ 3 टी स्पून, मक्खन– 3 टेबलस्पून, जीरादृ 1 टी स्पून, हरी मिर्च कटीदृ 2–3, दालचीनी– 1 इंच टुकड़ा, हल्दीदृ 1/4 टी स्पून, लाल मिर्च पाउडरदृ 1 टी स्पून, हरी धनिया पत्ती कटीदृ 2 टेबलस्पून, लौंग– 3, इलायचीदृ 3 और नमक स्वादानुसार। कैसे बनाएं – सबसे पहले उड़द दाल और राजमा को पानी में अच्छी तरह 2–3 बार धो लें। इसके बाद दोनों दालों को रातभर के लिए पानी में भिगोकर रख दें। सुबह राजमा, उड़द का पानी निकालकर प्रेशर कुकर में डाल दें, इसमें 2 कप पानी मिलाकर 5–6 सीटियां आने तक पका लें। इसके बाद दालों को मैश करके साइड में रख दें। तड़का लगाने के लिए सबसे पहले पैन गर्म करें और इसमें मक्खन डालें। इसके बाद जीर, हरी मिर्च, लौंग, इलायची और दालचीनी डालकर हल्का ब्राउन होने तक भूनें। अब इसमें अदरक पेस्ट, टमाटर प्यूरी, हल्दी पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालकर पकाएं। ग्रेवी के तेल छोड़ने तक इसे पकाते रहें। एक बार ग्रेवी तेल छोड़ दें तो इसमें मैश की हुई दाल, नमक और पानी डालकर 10–15 मिनट तक उबालें। इसके बाद दाल में ऊपर से क्रीम डालें और हल्के से चलाते हुए कुछ देर पकाएं। अब गैस बंद करे दें। टेस्टी दाल मखनी तैयार है। सर्विंग बाउल में ऊपर से क्रीम और हरी धनिया डाल कर सर्व करें।

खीरा रायता

क्या चाहिए– गाय के दूध का दही– 1 कप, खीरा– 1 बारीक कटा हुआ, जीरा– 1/4 छोटी चम्मच, हरी मिर्च– 1/2 बारीक कटी हुई, नमक– 1/4 छोटी चम्मच, हरा धनिया– 1 बड़ा चम्मच।

कैसे बनाएं– बाउल में 1 कप दही को फेंट कर इसमें बारीक कटा हुआ खीरा, जीरा पाउडर, कटी हुई हरी मिर्च, नमक मिला लें। पूरे मिश्रण को अच्छे से मिला लीजिए। फिर इस पर 1 बड़ा चम्मच हरा ध ानिया काटकर गार्निश कर दीजिए। खीरे का स्वादिष्ट रायता तैयार है।

मिक्स वेज की सब्जी

क्या चाहिए – हरी मटर के दाने– 100 ग्राम, बीन्स– 100 ग्राम, गोभी– 100 ग्राम, गाजर– 1 मीडियम, शिमला मिर्च– 1 मीडियम, पनीर– 100 ग्राम, टमाटर– 2–3, हरी मिर्च– 3, अदरक– 1 1–2 इंच लम्बा टुकड़ा, तेल– 2 टेबिल स्पून, हींग– 1–2 पिंच, जीरा– आधा छोटी चम्मच, हल्दी पाउडर– आधा छोटी चम्मच, धनिया पाउडर– 1 छोटी चम्मच, नमक– स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर– एक चौथाई छोटी चम्मच, गरम मसाला– एक चौथाई छोटी चम्मच, हरा धनिया– एक टेबल स्पून।

कैसे बनाएं – पहले सभी सब्जियों को धो कर छोटा–छोटा काट लीजिये। पनीर को क्यूब्स में काट लें। टमाटर, हरी मिर्च और अदरक धोइये और पीस लें। कढ़ाई में तेल गरम कर हींग और जीरा डालें। जीरा भुनने के बाद हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालें। अब टमाटर का पेस्ट डालकर मसाले को दानेदार होने तक भूनिये। भुने मसाले में सारी कटी हुई सब्जियां, नमक और लाल मिर्च पाउडर डाल चमचे से 2–3 मिनट चला–चला कर भूनिये। एक चम्मच पानी डाल कर, सब्जी को ढककर, धीमी गैस पर 6–7 मिनट पकने दें। अगर लगे कि पकने के लिये और पानी की आवश्यकता है, तो एक चमचा पानी डाल सब्जी को ढककर फिर से धीमी गैस पर 3–4 मिनट तक पकने दीजिये। अब सब्जी में पनीर के टुकड़े, गरम मसाला और हरा ध ानिया डाल कर मिला दीजिये। मिक्स वेज सब्जी तैयार है। मिक्स वेज सब्जी को प्याले में निकालिये. हरा धनिया सब्जी के ऊपर डाल कर सजाइये।

खस्ता पूरी

क्या चाहिए – आटा– 2 कप, दो चम्मच सूजी, नमक 1/2 छोटी चम्मच, आजवाइन 1/2 छोटी चम्मच, तेल– 1 छोटी चम्मच।

कैसे बनाएं – बाउल में आटा, सूजी, नमक, आजवाइन और तेल डाल कर मिला लीजिए। पूरी के लिए एक सख्त डो गूंध लीजिए। गूंधने के बाद उसे ढक कर 15–20 मिनट रख दीजिए। डो को हल्का सा मसल कर छोटी–छोटी लोइयां बना लें। लोई को गोल बेल लें। अब कढ़ाही में तेल पूरा गरम कीजिए। पूरियों को दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन होने तक सेकिए। पूरी भी बनकर तैयार हो जाएंगी।

–लेखिका खानपान विषयों की जानकार हैं।

केसर खीर

क्या चाहिए– दूध–3 कप, चावल –3 बड़े चम्मच, चीनी– 1ध 4 कप, काजू, बादाम और किशमिश (सभी 1–1 बड़े चम्मच), केसर के धागे– 15–20, इलायची– 4 ताजा कुटी हुई।

कैसे बनाएं – तीन बड़े चम्मच चावल को आधे घंटे तक भिगो कर रखना है। इसके बाद पेन में 3 कप दूध ा डाल कर उबाल लीजिए। उबाल आने पर 3 बड़े चम्मच चावल धो कर दूध में डाल दीजिए। लो–मीडियम फ्लेम पर खीर को हर 2–3 मिनट में चलाते हुए पकाएं। खीर के गाढ़ी होने पर और चावल के अच्छे से दूध में घुल जाने पर इसमें काजू, बादाम, किशमिश और केसर के धागे डाल दें। इन्हें अच्छे से मिला कर 2–3 मिनट पका लीजिए। फिर इसमें 4 पिसी इलायची डाल कर खीर को चला लीजिए। अब चीनी डाल कर 2 मिनट चीनी घुलने तक पकाएं और ठंडी या गर्म स्वादानुसार खीर सर्व करें।

गुलाब की खीर

क्या चाहिए – गाय का दूध– एक लीटर, 1/4 कप चीनी,1/2 टी स्पून गुलाब जल, बादाम और किशमिश (सभी 1–1 बड़े चम्मच, 100 ग्राम ताजी गुलाब की पंखुड़ियां।

कैसे बनाएं – सबसे पहले गुलाब को पंखुड़ियों को पानी से धोकर साफ कर लें। अब एक पेन में दूध लेकर उसे थोड़ा पका लें अब दूध में गुलाब की पंखुड़ियां डालकर धीमी आंच पर पकाएं। धीरे–धीरे दूध गाढ़ा होगा और पंखुड़ियां सॉफ्ट होने लगेंगी। फिर इसमें काजू और बादाम के टुकड़े और किशमिश मिला दें। जब दूध आधा रह जाए तो चीनी डाल दें। थोड़ी देर पका कर गैस बंद कर दें। आखिर में गुलाब जल डाल देंगे। गुलाब की खीर तैयार है।

पौधा घर लगाने की गलती मत करना, बर्बादी लेकर आएगा

ा सैंटीसेरियम एक लोकप्रिय इंडोर पौधा है जिसे लोग अपने घर में सजावट और हवा को साफ रखने के लिए लगाते हैं। हालांकि, इसके कुछ फायदे होते हुए भी आयुर्वेद और वास्तु शास्त्र के अनुसार इसे घर में लगाने से कुछ नुकसान हो सकते हैं। आइए जानते हैं क्यों इसे लगाना सही नहीं माना जाता।

वास्तु शास्त्र में नकारात्मक माना जाता है

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में सनेक प्लांट लगाने से कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। इसके तेज और नुकीले पत्ते नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकते हैं, जिससे घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। इससे परिवार में तनाव, असहज माहौल और रिश्तों में मनमुटाव जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। साथ ही, कुछ वासतु विशेषज्ञों का मानना है कि गलत दिशा में यह पौधा लगाने से धन–संपत्ति और करियर में बाधाएं आ सकती हैं। इसलिए घर में सनेक प्लांट लगाने से पहले उसकी सही दिशा और स्थान का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि घर की खुशहाली और सकारात्मक वातावरण सुरक्षित रहे।

रात में ऑक्सीजन कर सकता कम

सनेक प्लांट दिन के समय में कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे कमरे की हवा ताजी और साफ रहती है। लेकिन रात में इसके पत्ते उल्टा काम करने लगते हैं। यह ऑक्सीजन लेने लगता है और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ता है। अगर इसे बेडरूम या सोने के कमरे में रखा जाए, तो नींद के दौरान कमरे में ऑक्सीजन की मात्रा थोड़ी कम हो सकती है। लंबे समय तक ऐसा रहने से नींद की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और सुबह थकान या सुस्ती महसूस हो सकती है। इसलिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सनेक प्लांट को सोने के कमरे की बजाय लिविंग रूम या हॉल में रखना ज्यादा सुरक्षित है।

कुछ लोगों को एलर्जी हो सकती है

सनेक प्लांट घर की हवा को साफ करने में मदद करता है, लेकिन इसके पत्तों से निकलने वाली गैस या धूल के छोटे कण कुछ लोगों के लिए एलर्जी पैदा कर सकते हैं। यह खासकर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसके संपर्क में आने या इसे लंबे समय तक अंदर रखने से खांसी, छींक, आंखों में जलन या सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए यदि घर में संवेदनशील लोग या बच्चे हैं, तो इस पौधे को बच्चों के कमरे या बेडरूम में लगाने से बचना चाहिए।

टपमू जीपे चवेज वद प्देजंहतंउ

पालतू जानवरों के लिए हानिकारक

यदि घर में पालतू जानवर जैसे बिल्ली या कुत्ते हैं, तो सनेक प्लांट उनके लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसके पत्तों में कुछ तत्व ऐसे होते हैं जो जानवरों के पेट के लिए हानिकारक हो सकते हैं। यदि जानवर इसे चबाएं या खा लें, तो उन्हें पेट दर्द, उल्टी, दस्त या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पालतू जानवरों वाले घरों में इस पौधे को हमेशा उनकी पहुंच से दूर रखना चाहिए और इसे लिविंग रूम या ऊंची जगह पर लगाना सुरक्षित माना जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर

कुछ लोगों के लिए घर में तेज और नुकीले पत्तों वाले पौधे, जैसे सनेक प्लांट, मानसिक रूप से भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसके पत्तों की तेज और शार्प आकृति घर में अस्थिर ऊर्जा पैदा कर सकती है, जिससे तनाव, चिड़चिड़ापन और बेचौनी बढ़ सकती है। यह खासकर उन लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है जो पहले से मानसिक रूप से संवेदनशील हैं या चिंता और स्ट्रेस से जूझ रहे हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए इसे सही दिशा और स्थान पर रखना जरूरी है और बेडरूम या बच्चों के कमरे में लगाने से बचना चाहिए।

हालांकि सनेक प्लांट घर की हवा को साफ करने और सजावट के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन इसे हमेशा सही जगह पर रखना चाहिए। बेडरूम या बच्चों के कमरे में लगाने से बचें और ध्यान रखें कि इसे पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखा जाए। अगर आप वास्तु या स्वास्थ्य संबंधी सावधानी रखते हैं, तो इसे लिविंग रूम या ऑफिस में ही लगाना ज्यादा सुरक्षित है।

रालोद ने तेज की पंचायत व विधानसभा चुनाव की तैयारियां

लखनऊ, (संवाददाता)। रालोद ने संगठन को मजबूत करने और आगामी पंचायत चुनाव व वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके लिए पार्टी ने कई कार्यक्रम तय किए हैं। रालोद मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने कार्यकर्ताओं से चुनाव में अभी से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि चुनाव की तैयारियों को रफ्तार देने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह लखनऊ आएंगे। 2 अक्तूबर से 31 अक्तूबर तक जयंत के प्रदेश में सात बड़े कार्यक्रम होंगे। उन्होंने बताया कि संगठन को गतिशील बनाने के लिए कई कार्यक्रम तय किए गए हैं। इस क्रम में 30 सितंबर को सभी 75 जिलों में बैठकें होंगे। 31अक्तूबर को सभी जिलों में संगठन की बैठक होगी और सरदार पटेल जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 31 अक्तूबर को बस्ती में सरदार पटेल जयंती पर जयंत सिंह जनसभा को संबोधित करेंगे। पंचायत चुनाव के लिए सभी जिलाध्यक्षों को 5 सदस्यीय समिति बनाने के निर्देश दिए गए हैं। 31 अक्तूबर तक पार्टी के सभी प्रकोष्ठ अपने क्षेत्रीय सम्मेलन संपन्न कर लेंगे।

आपदा में सदैव जनता के साथ रालोद डॉ. रामाशीष

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने कहा कि रालोद आपदा में सदैव जनता के साथ खड़ा रहा है। पंजाब में आई भीषण बाढ़ के पीड़ितों के लिए लखनऊ से राहत सामग्री भेजी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने सबसे पहले पंजाब बाढ़ आपदा में मदद का हाथ बढ़ाया। उन्होंने दिल्ली से किसान ट्रस्ट के माध्यम से राहत सामग्री भेजी और आर्थिक सहायता पहुंचाई। प्रदेश के कार्यकर्ताओं ने भी लखनऊ से राहत सामग्री भेजी है। पंजाब बाढ़ आपदा समिति के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कहा कि रालोद का हर कार्यकर्ता पीड़ितों के साथ खड़ा है। प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि यह राहत सामग्री पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के सहयोग से एकत्र की गई है।

लम्पी वायरस प्रभावित 7 जिलों में पूरी तरह पशु लॉकडाउन लागू, नहीं लगेगा मेला

लखनऊ, (संवाददाता)। पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रेसवार्ता में बताया है कि लम्पी प्रभावित पूरब के सात जिलों में पशु लॉक डाउन कर दिया गया है। बिहार से और एक से दूसरे जिले में कोई पशु न आएगा न जाएगा। इन सात जिलों के साथ ही कुल 11 जिलों चंदौली, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, बस्ती, मऊ, सिद्धार्थनगर व महराजगंज में भी विशेष निगरानी शुरू कर दी गई है। प्रमुख सचिव, विशेष सचिव आदि अधिकारियों की टीम तैनात की गई है। किसी भी तरह की सूचना व जानकारी देने के

लिए टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पशुओं में छुआछूत से फैलता है। मक्खी से भी यह एक से दूसरे में फैलता है। इससे मनुष्य प्रभावित नहीं होता है। इसके लिए टीकाकरण भी शुरू कर दिया गया है। टीके की कोई कमी नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

बदला मौसम...बूंदाबांदी से 5.5 डिग्री लुढ़का पारा, अगले दो दिन भारी बारिश के आसार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मौसम ने अचानक करवट ली। यहां बूंदाबांदी से माहौल खुशनुमा हो गया। इससे एक ही दिन में अधिकतम तापमान में 5.5 डिग्री की गिरावट आ गई। इससे उमस व गर्मी से राहत मिली। मंगलवार को भी मौसम खुशनुमा रहने के आसार हैं। 17 से 19 सितंबर की सुबह तक भारी बारिश के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को राजधानी में दिनभर बादल छाए रहे और बूंदाबांदी हुई। रविवार को अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री था, जो सोमवार को 30.4 डिग्री रह गया। यह सामान्य से तीन डिग्री कम रहा। सोमवार को न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था। अभी चार से पांच दिन तक कहीं बूंदाबांदी और बारिश का सिलसिला चलते रहने के आसार हैं। अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पांच दिन बाद बारिश का प्रभाव कम होना शुरू होगा।

यूपी की मानसी सिंह को शीर्ष वरीयता

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की स्टार शटलर मानसी सिंह को योनेक्स सनराइज अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सीनियर रैकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल में शीर्ष वरीयता दी गई है। यूपी बैडमिंटन अकादमी में आयोजित टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ के मुकाबलों की शुरुआत मंगलवार सुबह से होगी। प्रतियोगिता के पुरुष व महिला एकल में 64–64 और मिश्रित युगल, पुरुष युगल व महिला युगल में 32–32 का ड्रॉ तैयार किया गया है। प्रतियोगिता के पुरुष एकल में दिल्ली के जिनपॉल एस, पुरुष युगल में तमिलनाडु के नवीन पी. व लोकेश वी., महिला युगल में कर्नाटक की शिखा गौतम व अश्विनी भट्ट और मिश्रित युगल कर्नाटक के अशिथ सूर्या व अमृता पी. को शीर्ष वरीयता दी गई है। यूपी की अमोलिका सिंह को महिला एकल में 13वीं वरीयता, पुरुष युगल में यूपी के दिव्यम अरोड़ा व अर्श मोहम्मद को दसवीं वरीयता, महिला युगल में यूपी की सोनाली सिंह व तेलंगाना की अनघा राय को पांचवीं और यूपी की अमोलिका सिंह व केरल की मेहरान रिजा को 11वीं वरीयता मिली है।

बदला मौसम, बूंदाबांदी ने 5.5 डिग्री लुढ़का पारा

लखनऊ, (संवाददाता)। मौसम ने राजधानी में सोमवार को अचानक करवट ली और बूंदाबांदी से माहौल खुशनुमा हो गया। इससे एक ही दिन में अधिकतम तापमान में 5.5 डिग्री की गिरावट आ गई। इससे उमस व गर्मी से राहत मिली। मंगलवार को भी मौसम खुशनुमा रहने के आसार हैं। 17 से 19 सितंबर की सुबह तक भारी बारिश के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को राजधानी में दिनभर बादल छाए रहे और बूंदाबांदी हुई। रविवार को अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री था, जो सोमवार को 30.4 डिग्री रह गया। यह सामान्य से तीन डिग्री कम रहा।

यूपी में मनाया गया अभियंता दिवस, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और बृजेश सिंह ने इंजीनियरों को किया सम्मानित

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन ने आज भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के 165वें जन्मदिन के अवसर पर श्अभियंता दिवस समारोहश का आयोजन किया। यह समारोह लोक निर्माण विभाग परिसर स्थित विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में हुआ। इस मौके पर यूपी सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि लोक निर्माण राज्यमंत्री बृजेश सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।समारोह की शुरुआत में, राज्यमंत्री बृजेश सिंह ने ℵ्व परिसर में विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने प्रेक्षागृह में एसोसिएशन द्वारा स्थापित विश्वेश्वरैया की मुद्रित फाइबरग्लास प्रतिमा का अनावरण किया इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण पुस्तकों और पत्रिकाओं का विमोचन भी किया गया, जिसमें एसोसिएशन का न्यूजलेटर श्विश्वेश्वरैया विशेषांकश, ℵ्व की पत्रिका प्रज्ञता, पूर्व अध्यक्ष पी. राम की श्बाढ़ गीताश और रोहिन बैराज से संबंधित कॉफी टेबल बुक शामिल थीं। समारोह में, प्रदेश के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले इंजीनियरों को भी सम्मानित किया

गया। बाद में, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड में भी विश्वेश्वरैया की एक प्रतिमा का अनावरण किया। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सर विश्वेश्वरैया को आधुनिक भारत का ध्वजवाहक बताते हुए कहा कि आज का भारत उन्हीं के बताए हुए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय इंजीनियरों ने देश और दुनिया के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया है। उन्होंने राम मंदिर, चेनाब ब्रिज और सरदार पटेल की श्स्टैच्यू ऑफ यूनिटीश जैसे उदाहरणों का जिक्र करते हुए भारतीय इंजीनियरों के अद्भुत कौशल की प्रशंसा की। उन्होंने इंजीनियरों से अपील की कि वे ऐसा काम करें कि जिस भी जिले में वे तैनात हों, वहाँ का गरीब से गरीब व्यक्ति उन्हें हमेशा याद रखे।लोक निर्माण राज्यमंत्री बृजेश सिंह ने इंजीनियरों को श्राष्ट्र निर्माता कहते हुए।

पंचायतों को सशक्तबनाने के लिए यूपी पंचायती राज विभाग और लखनऊके बीच हुआ महत्वपूर्ण समझौता

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पंचायतों को प्रशासनिक और वित्तीय रूप से और अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से पंचायती राज विभाग और भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस पहल का लक्ष्य पंचायत प्रतिनिधियों को आधुनिक तकनीक, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने का प्रशिक्षण देना है, ताकि वे बेहतर और प्रभावी शासन सुनिश्चित कर सकें।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अलग–अलग बैचों में पाँच दिनों तक चलेगा, जिसमें पंचायत प्रतिनिधियों को नेतृत्व, वित्तीय प्रबंधन, पारदर्शिता और तकनीकी नवाचार पर गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा।इस अवसर पर पंचायती राज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा, ''पंचायती राज विभाग का प्प्ड जैसे शीर्ष संस्थान के साथ हाथ मिलाना एक शानदार कदम है। मैं विभाग के प्रमुख सचिव श्री अनिल कुमार जी और निदेशक श्री अमित कुमार सिंह को इस पहल के लिए बधाई देता हूँ। मुझे विश्वास है कि यह प्रशिक्षण पंचायतों में बड़ा बदलाव लाएगा।''प्रमुख सचिव पंचायती राज श्री अनिल कुमार ने कहा कि इस एमओयू के तहत पंचायत प्रतिनिधियों को बेहतर नेतृत्व और वित्तीय प्रबंधन की ट्रेनिंग दी जाएगी। हमारा उद्देश्य पंचायत स्तर पर योजनाओं के कार्यान्वयन को और भी प्रभावी और पारदर्शी बनाना है, जिसका लाभ पूरे प्रदेश को मिलेगा। निदेशक पंचायती राज श्री अमित कुमार सिंह ने जोर देकर कहा कि पंचायतें लोकतंत्र की सबसे मजबूत इकाई हैं। उन्होंने कहा, ''यह एमओयू उन्हें नई तकनीकों और आधुनिक प्रबंधन पद्धतियों से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस पहल से प्रतिनिधियों की निर्णय लेने की क्षमता, संसाधन प्रबंधन और ।᾽ जैसी तकनीक के इस्तेमाल में नई समझ विकसित होगी। हमें पूरा विश्वास है कि उत्तर प्रदेश की पंचायतें देश में एक रोल मॉडल के रूप में उभरेंगी।''प्प्ड लखनऊ की प्रो. मधुमिता चक्रवर्ती ने कहा कि प्प्ड का उद्देश्य हमेशा से समाज और प्रशासन में सकारात्मक बदलाव लाना रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करके हम जमीनी स्तर पर सुशासन और नवाचार को बढ़ावा देंगे।इस समझौते को पंचायतों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने और उन्हें प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

व्हाइट ईगल ने विंटर रिजर्व को हराया

लखनऊ, (संवाददाता)। व्हाइट ईगल ने विंटर रिजर्व क्लब को 2–0 से हराते हुए ला–मार्टीनियर फुटबॉल लीग में पूरे अंक प्राप्त किए। लीग के दूसरे मुकाबले में जेट्स क्लब और ला–मार्टीनियर की टीमें 1–1 से बराबर रही। ला–मार्टीनियर पोलो ग्राउंड में सोमवार को खेले गए पहले मुकाबले में व्हाइट ईगल का सामना विंटर रिजर्व से हुआ। शुरुआत से ही व्हाइट ईगल के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए कई मूव बनाए। आदित्य ने खेल के 19वें मिनट में साथी खिलाड़ी से मिले पास पर गोल करते हुए टीम को 1–0 से बढ़त दिलाई। मध्यांतर के बाद व्हाइट ईगल को एक और गोल करने का मौका मिला, जिसे ऋषि ने कोई भी चूक नहीं की। दो गोल से पिछड़ने के बाद विंटर रिजर्व ने वापसी का प्रयास करते हुए लगातार हमले किए, लेकिन व्हाइट ईगल की सजग रक्षापंक्ति के आगे उनकी एक भी नहीं चली। लीग में दिन का दूसरा मुकाबला जेट्स क्लब और ला–मार्टीनियर के बीच खेला गया। यह मुकाबला बेहद कड़ा रहा। इसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक दूसरे पर कई मूव बनाए, लेकिन मुकाबला 1–1 से बराबर रहा। मुकाबले में जेट्स क्लब से ओजस और ला–मार्टीनियर से योग्य गोल करने में सफल रहे।

सुरक्षा के लिहाज से उन्नत बोगियों का हो निर्माण

लखनऊ, (संवाददाता)। रेलवे बोर्ड के सदस्य ब्रजमोहन अग्रवाल सोमवार को राजधानी में थे। उन्होंने आरडीएसओ की प्रयोगशालाओं का दौरा किया। साथ ही चल रहे अनुसंधानों के बाबत अधिकारियों से जानकारियां लीं। उन्होंने रेलवे के विकासात्मक कार्यों को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान पर जोर दिया। कहा कि यात्री सुविधाओं में वृद्धि के साथ ट्रेनों का सुरक्षित संचालन प्राथमिकता में होना चाहिए। अनुसंधान, अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) के महानिदेशक उदय बोरवणकर ने बताया कि सदस्य (कर्षण एवं चल स्टॉक) ब्रजमोहन अग्रवाल ने आरडीएसओ में आधुनिकीकरण एवं सुरक्षा पर बल विषय पर बातचीत की। इसमें आरडीएसओ के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहे। उन्होंने आरडीएसओ में हो रहे कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक माल डिब्बा तथा कार्यकारी निदेशक सवारी डिब्बा के साथ मालगाड़ी एवं कोचिंग मदों की विस्तार से समीक्षा की गई। इसमें वैगन के उन्नत डिजाइनों, यात्री कोच की सुरक्षा में सुधार तथा टिकाऊ तकनीकों को अपनाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में एनसीसी बॉयज कैडेट्स का एनरोलमेंट पूरा

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में सोमवार, 15 सितंबर को एनसीसी बॉयज कैडेट्स के लिए नामांकन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। इस दौरान, 67 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ के सूबेदार गिरमन थापा, हवलदार श्याम बाबू शुक्ला और सुभाष चंद्रा मुख्य रूप से मौजूद थे। विश्वविद्यालय से एसोसिएट एनसीसी अधिकारी ले. (डॉ.) मनोज कुमार डडवाल भी उपस्थित रहे। इस नामांकन प्रक्रिया में शामिल होने वाले कैडेट्स के लिए कई तरह के परीक्षण किए गए।

सरकार बनने पर गोमती रिवरफ्रंट पर लगेगी भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति, होगा राजकीय अवकाश

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने विश्वकर्मा समाज को बड़ा भरोसा दिलाते हुए ऐलान किया है कि अगर 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो गोमती रिवरफ्रंट पर भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति स्थापित की जाएगी, जिसका सिंहासन सोने का होगा। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाएगा।यह घोषणा सोमवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित विश्वकर्मा समाज की एक बैठक के दौरान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में अखिलेश यादव ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और आरती भी की।अखिलेश यादव ने विश्वकर्मा समाज को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का रचयिता और वास्तुकार माना जाता है। उन्होंने कहा कि कुम्हार, बढ़ई, कसेरा और शिल्पकार जैसे सभी हुनरमंद लोग 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज का हिस्सा हैं और यही समाज भाजपा को सत्ता से हटाने की ताकत रखता है।उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि इस शासन में विश्वकर्मा समाज नौकरी, रोजगार और शिक्षा के मामलों में पूरी तरह उपेक्षित है और उनके साथ दोहरा बर्ताव किया जा रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि समाजवादी सरकार में नेताजी मुलायम सिंह यादव ने 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती पर अवकाश घोषित किया था, जिसे भाजपा सरकार ने रद्द कर दिया है।कार्यक्रम के संयोजक और पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज हुनरमंद और कुशल कारीगर है, लेकिन भाजपा सरकार ने उन्हें प्रोत्साहित नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में विश्वकर्मा समाज की जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं और उनकी बहू–बेटियों के साथ अन्याय व अत्याचार हो रहा है, लेकिन न्याय नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि केवल अखिलेश यादव ही हैं जो इस समाज के साथ खड़े हैं और उनकी सरकार में ही यह समाज सुरक्षित रहेगा।बैठक के दौरान पीलीभीत के सरदार बाबा महबा सिंह और उनके साथियों ने अखिलेश यादव को सरोपा और तलवार भेंट की।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में मनाया गया अभियंता दिवस

लखनऊ, (संवाददाता)। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने भारत रत्न इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर बड़े उत्साह के साथ अभियंता दिवस समारोह का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों में तकनीकी जागरूकता और इंजीनियरिंग के महत्व को उजागर करना था।मुख्य अतिथि प्रोफेसर जे. बी. श्रीवास्तव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, ष्इंजीनियरिंग केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के सतत विकास और मानवता की प्रगति का आधार है। इंजीनियरों को अपने नवाचार से समाज की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करना चाहिए।ष्कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने अपने संदेश में कहा कि अभियंता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि भारत की प्रगति और आत्मनिर्भरता में इंजीनियरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हमेशा छात्रों को उत्कृष्ट तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ नैतिक मूल्यों से भी समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है।निदेशक डॉ. आर.के. त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों की रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने भविष्य के इंजीनियरों को केवल तकनीकी दक्षता ही नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से भी ओत–प्रोत होने की सलाह दी।यह समारोह विभागाध्यक्ष इंजीनियर कौशलेश कुमार शाह के संयोजन में संपन्न हुआ।

भाजपा सरकार में नहीं मिल रहा न्याय, दबाव डालकर हो रहे समझौते - अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर कानून और संविधान का पालन न करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों पर दबाव बनाकर काम कर रही है और पुलिस पर उसका कोई नियंत्रण नहीं है, जिससे आम जनता को न्याय नहीं मिल रहा है।सोमवार को लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कई मामलों का जिक्र किया, जिनमें कथित तौर पर समझौते कराए गए हैं। उन्होंने कहा, ''जब मुख्यमंत्री आवास और मुख्यमंत्री कार्यालय में समझौते हो रहे हैं तो लोगों को न्याय कैसे मिलेगा?''उन्होंने बाराबंकी में छात्रों की पिटाई के मामले में हुए समझौते का जिक्र किया। इसके अलावा कौशांबी में पाल समाज की बेटी के साथ हुए अन्याय के मामले में भी न्याय न मिलने और समझौता होने की बात कही। गाजीपुर के एक ताजा मामले में भी समझौता होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़ितों के साथ खड़ी है, जबकि भाजपा सरकार दबाव डालकर समझौते करा रही है।अखिलेश यादव ने कानपुर के एक कथित माफिया मामले में आईपीएस अधिकारियों पर कार्रवाई न होने को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ''अगर इस मामले की जांच हो जाए तो पूरी भाजपा की पोल खुल जाएगी। भाजपा राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक गैंग है। जनता इस बात को समझ चुकी है और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा का सफाया कर देगी।''अखिलेश यादव ने युवाओं से जुड़े मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने घोषणा की कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर नौकरियों में आउटसोर्सिंग व्यवस्था पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी नौजवानों को पक्की नौकरी और पूरा आरक्षण सुनिश्चित करेगी।उन्होंने भाजपा सरकार पर शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून–व्यवस्था को बर्बाद करने

का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त प्रोफेसर और स्टाफ नहीं हैं, और मेडिकल की पढ़ाई इतनी महंगी हो गई है कि गरीब परिवारों के बच्चे डॉक्टर नहीं बन सकते। उन्होंने समाजवादी सरकार में बने लखनऊ कैंसर संस्थान में रिसर्च सेंटर बंद करने का भी आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्हें ''नकलची सीएम'' बताया, जो दिल्ली में भाजपा सरकार के एजेंडे की नकल करते हैं। उन्होंने कहा, ''उनके पास उत्तर प्रदेश के लिए कोई कार्ययोजना नहीं है।'' उन्होंने भाजपा पर नफरत फैलाने और नकारात्मक राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को मथुरा के विकास से कोई मतलब नहीं है, जबकि समाजवादी सरकार में वहाँ रोप–वे जैसे कई विकास कार्य हुए थे।उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता तरक्की और रोजगार चाहती है, जो सिर्फ समाजवादी पार्टी ही दे सकती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है और उन्हें पूरा विश्वास है कि जनता भाजपा को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी।नेपाल में भारतीय पत्रकारों की पिटाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की विदेश नीति की विफलता है। उन्होंने कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) एकजुट होकर भाजपा की सांप्रदायिक और नफरत की राजनीति को समाप्त कर देगा और एक नई व्यवस्था

यूपी सरकार का बड़ा कदम बाल देखरेख संस्थाओं में नियुक्त हुए 13 फार्मासिस्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने बाल देखरेख संस्थाओं में रहने वाले बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। महिला कल्याण विभाग द्वारा भेजी गई मांग के बाद, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 13 फार्मासिस्टों का चयन किया है, जिन्हें मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र सौंप दिया है। यह जानकारी प्रमुख सचिव, महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा पुष्टाहार, श्रीमती लीना जौहरी ने दी।प्रमुख सचिव ने बताया कि महिला कल्याण विभाग ने फार्मासिस्ट के 13 पदों के लिए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को आवेदन भेजा था। आयोग ने विज्ञापन संख्या–23ध्परीक्षाध्2016 के अंतर्गत चयन प्रक्रिया पूरी की और 3 जून 2025 को अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इ

स्टडी हॉल कॉलेज में साइबर सुरक्षा और एआई पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ प्रत्यूष पाण्डेय। स्टडी हॉल कॉलेज ने "साइबर–सक्षम" शीर्षक से एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बीसीए छात्रों को साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के महत्व से अवगत कराना था। साथ ही, छात्रों को इन तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में उभरते करियर अवसरों के बारे में मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। कार्यशाला का संचालन श्री विजय कुमार झिंगरान, उपाध्यक्ष, इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ सिक्योरिटी स्टडीज (पै) द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को साइबर खतरों और सुरक्षा उपायों से जुड़े सर्वोत्तम व्यवहारों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, उन छात्रों को उन्नत भुगतान आधारित कार्यक्रमों के बारे में भी बताया गया जो साइबर सुरक्षा और एआई में पेशेवर करियर बनाना चाहते हैं। छात्रों को संबोधित करते हुए श्री झिंगरान ने कहा कि साइबर सुरक्षा केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए सतर्क और सकारात्मक सोच की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य छात्रों में सुरक्षा–प्रथम दृष्टिकोण विकसित करना है, जिससे वे डिजिटल दुनिया में सफलता प्राप्त कर सकें।" कार्यशाला में बात करते हुए डॉ. नेहा महेंद्र, डीन एकेडमिक्स, स्टडी हॉल कॉलेज, ने संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "हम छात्रों को उद्योग से संबंधित कार्यों को सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित हैं, ताकि वे विकसित होते करियर परिदृश्यों में आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त कर सकें और उनकी रोजगार क्षमता व पेशेवर विकास को बढ़ावा मिल सके।" यह कार्यशाला छात्रों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने और तकनीक आधारित नए करियर विकल्पों की खोज करने के लिए प्रेरित करने में सफल रही। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध, स्टडी हॉल कॉलेज शहर के प्रमुख डिग्री कॉलेजों में से एक है।

राज्य मंत्री परिवहन दया शंकर ने स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का मेडिकल कालेज गंजा मे किया शुभारंभ

अयोध्या। बुधवार को स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय गंजा के सभागार में राज्यमंत्री परिवहन दयाशंकर सिंह ने ज्ञान की देवी सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्बोधन का सीधा प्रसारण वहां पर उपस्थित लोगों ने सुना। इस मौके पर मुख्य अतीत के रूप में आए परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक समस्त स्वास्थ्य इकाइयों पर कार्य योजना के अनुसार महिलाओं और किशोरियों की स्क्रीनिंग और स्वास्थ सेवाएं प्रदान की जाए। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में कई कैंप लगाए गए थे।जहाँ पर आयुष्मान के 3, क्षय रोग के 5 एवं पोषण के 5 लाभार्थियों को

लाभान्वित हुए।साथ ही साथ बल्ड डोनेशन के अंतर्गत 5 पंजीकरण एवं 3 व्यक्तियों द्वारा रक्त दान किया गया।कार्यक्रम के अंत मे राज्यमंत्री परिवहन ने सभा में उपस्थित लोगों को स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की शपथ दिलाई।इसी के साथ समारोह का समापन किया।कार्यक्रम में महंत गिरीशपति त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह, प्रदेश महामंत्री अभय सिंह उपस्थित रहे।इनके अलावा सीएमओ सुशील कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी, आरटीओ प्रशासन रितु सिंह।

संक्षिप्त खबरें

धूम धाम से मनाया गया श्री ठाकुर का जन्मोत्सव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्रीश्री ठाकुर अनुकूल चन्द का जी 138 वां जन्मोत्सव धूम धाम से सत्संग विहार कमला नगर हुसेनाबाद में मनाया गया। इस अवसर पर सवेरे सात बजकर पांच मिनट पर श्री श्री ठाकुर के शुभजन्मलगन घोषणा, घण्टा, शंख एवं अन्य वाद्य यंत्रों की मुधर ध्वनि के साथ आयोजित किया गया। इसके बाद भजन कीर्तन का दिव्य कार्यक्रम हुआ जिसमें सभी लोग आत्मविभोर हो गये, तत्पश्चात स्वल्पाहार हुआ। सांय काल बड़ी

संख्या में एकत्रित श्रद्धालुओं ने सन्ध्या , विनती प्रार्थना, वाणी पाठ , भजन कीर्तन का आयोजन किया। भजन कीर्तन के दौरान राधे बोल राधे बोल, बन्दे पुरुषोत्तम, बन्दे पुरुषोत्तम से पूरा क्षेत्र गुजायंमान हो गया। अन्त में भण्डारे का आयोजन किय गया जिसमें सैकड़ो लोग ने प्रसाद ग्रहण किया। उक्त पर एसपीआर डा० नीलेश श्रीवास्तव, डा० पंखुड़ी श्रीवास्तव इन्दजीत यादव , राजेन्द्र यादव एवं सत्संग विहार जौनपुर के गुरुभाई मां और बच्चों ने इस पुण्य आयोजन को सम्पूर्ण कराया।

सरकार द्वारा चलायी जा रही है योजनाओं का लाभ सभी को मिल रहा हैः– प्रेमावती

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली की राष्ट्रीय वयोश्री योजनान्तर्गत जिला प्रशासन, हरदोई के सहयोग से एलिम्को कानपुर द्वारा चिन्हित वरिष्ठजनों को आज रसखान प्रेक्षागृह में मुख्य अतिथि मा0 जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती प्रेमावती ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया, तथा चिन्हित 671 वरिष्ठजनों को 3912 सहायक उपकरणों का वितरण किया। मा0 अध्यक्षा ने कहा कि भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा कई योजनाये चलायी जा रही है, जिसका लाभ सभी को मिल रहा है तथा आज वरिष्ठजनों के लिये व्हील चेयर, कान की मशीन प्वाट शीट के साथ ही अन्य जरूरी उपकरण आप सभी को दिये

जा रहे है, ताकि किसी वृद्व को सहारे की जरूरत न पड़े। कार्यक्रम के अन्त मे अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी ने कार्यक्रम मे मा0 अध्यक्ष एवं वरिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, अति0 मजि0 अरुणिमा श्रीवास्तव, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, एलिम्कों के नोडल हिमांशु शर्मा आदि उपस्थित रहें।

कोथावा मे हुई चोरी का पुलिस ने पांच घंटे मे किया चोरी का खुलासा,दो आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)
बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के कोथावा कस्बे के एक जेवलर्स की दुकान से ससुर बहु ने मिलकर एक महिला के बैग से 50 हजार रूपये सोने की माला चोरी कर ले गए थे। ऐसी घटना से कोथावा कस्बे मे हड़कप मच गया। सुचना पर पहुंची पुलिस ने पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। पुलिस ने पांच घंटे के अंदर चचिया ससुर व बहु को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान पकड़े गए दोनों आरोपियों का पुलिस जेल भेज दिया गया है। बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के ऐमा गांव निवासिनी रौशनी पत्नी पुष्पेंद्र व सुनीता पत्नी सुनील मंगलवार सुबह 11रू30 बजे कोथावा कस्बा स्थिति रमेश चंद्र की दुकान पर टूटी पायल व माला 5 पैडल वाला कीमत लगभग 50 हजार रुपये की बुँदे में पेच डलवाने कोथावा कस्बा स्थिति रमेश चंद की दुकान पर आयी हुई थी।रौशनी के मुताबिक पर्स मे यह समान रखा था।यह पायल जुड़वाने लगी। इस दौरान सरोजनी पत्नी दिग्विजय निवासी सेमरा खुर्द अपने चचिया ससुर के साथ दुकान पर पहुंचकर रौशनी के बेग मे रखे पैडल को चोरी कर फरार हो गए। जब रौशनी ने पैडल जुड़वाने के लिए बैग मे निकालने लगी। तो पैडल गायब मिला।पैडल न मिलने पर हड़कंप मच गया। सुचना पर पहुचे कोथावा चौकी प्रभारी ने रामानंद मिश्रा ने घटना की जानकारी ली।पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए।

सपा नेता रत्नाकर चौबे ने कानून व्यवस्था पर साधा निशाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष रत्नाकर चौबे ने भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया।चौबे ने गोरखपुर में हुई एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद में गौतस्करों द्वारा एक नीट छात्रा की हत्या कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि गौतस्करों ने गांव में घुसकर छात्रा का अपहरण किया और फिर उसकी हत्या कर दी। चौबे ने इस घटना को शर्मनाक बताया।उन्होंने गाजीपुर में एक भाजपा कार्यकर्ता की पुलिस हिरासत में कथित पिटाई से हुई मौत का भी उल्लेख किया। रत्नाकर चौबे ने कहा कि जब कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहा था, तब पुलिस ने बर्बरता से लाठीचार्ज किया, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने जिला प्रशासन पर आरोप लगाया कि उन्होंने इसे हार्ट अटैक का मामला बताया।सपा नेता ने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था

की स्थिति को पूरी तरह समाप्ति की कगार पर बताया। उन्होंने जौनपुर में अनुराग यादव और महेश यादव की हत्या तथा मुंगराबादशाहपुर में दो सगे भाइयों की गोली मारकर हत्या जैसी घटनाओं का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि जिले के साथ–साथ पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है।रत्नाकर चौबे ने भाजपा नेताओं पर अपने ही कार्यकर्ता के प्रति उदासीनता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जहां सपा अपने कार्यकर्ताओं के लिए खड़ी रहती है, वहीं भाजपा के कार्यकर्ता की मौत पर कोई नेता सामने नहीं आया ।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विश्वकर्मा पूजा का हुआ आयोजन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की वर्कशॉप में भव्य विश्वकर्मा पूजा कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर प्रमोद यादव और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संदीप कुमार सिंह ने धूप–दीप से भगवान विश्वकर्मा का विधिवत पूजन–अर्चन किया। कार्यक्रम के दौरान वर्कशॉप भवन को विशेष रूप से सजाया गया था। पूजा में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रजनीश भास्कर, प्रोफेसर संतोष कुमार, प्रोफेसर देवराज, प्रोफेसर मिथिलेश सिंह, डॉ. रामनरेश यादव, डॉ. उदय राज प्रजापति, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ.

धीरेंद्र चौधरी, और फोरमैन संतोष उपाध्याय ने भी छात्रों के साथ मिलकर आरती और हवन में भाग लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया। बी.टेक. के छात्र प्रतिनिधि कृष्ण चौहान और मैकेनिकल पॉलिटेक्निक के धनंजय चौहान, संगम यादव, शैलेश यादव आदि के नेतृत्व में कार्यशाला की सजावट का कार्य किया गया।इस आयोजन में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्राध्यापकों डॉ. दीप प्रकाश सिंह, डॉ. नवीन चौरसिया, डॉ. हिमांशु तिवारी, डॉ. अंकुश गौरव, डॉ. सुबोध कुमार, फोरमैन के. के. मिश्र, मैकेनिक ओम प्रकाश यादव, वेल्डर राकेश कुमार, फिटर आदि कर्मचारी और छात्र अभिभावक श्री अच्छे लाल यादव भी उपस्थित थे।

जेसीआई जौनपुर चेतना ने मनाया महान दिवस, पूर्व अध्यक्षों और समाजसेवियों का हुआ सम्मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जेसीआई जौनपुर चेतना ने बड़े ही शानदार तरीके से श्महान दिवसश कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर फिर आस्था पाठ करके किया गया इस अवसर पर पूर्व अध्यक्षों, प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधियों और कुछ प्रमुख समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष ज्योति श्रीवास्तव ने बताया कि जेसी सप्ताह के अंतिम दिन श्महान दिवसश मनाया जाता है। यह पूरा सप्ताह एक उत्सव की तरह मनाया जाता है, जिसका समापन सभी के योगदान को सम्मान देकर किया जाता है। उन्होंने कहा, श्इस दिन हम उन सभी लोगों को सम्मानित करते हैं, जिन्होंने जेसीआई को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किए गए लोगों को अभिनंदन पत्र, अंग वस्त्र और एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सम्मान के बाद, सभी महिलाओं ने मिलकर रैंप वॉक और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस दौरान कैटवॉक के साथ–साथ कई मनोरंजक खेल भी खेले गए।

चोर समझ कर ग्रामीणों ने युवक को पीटा

अयोध्या। इस समय शाम होने के बाद किसी अजनबी गांव में भी जाना खतरे से खाली नहीं है। क्योंकि ग्रामीण उसे अजनबी को ड्रोन चोर समझकर बिना कुछ पूछे का कारण मारपीट कर रहे हैं इसका ही एक उदाहरण बीती रात थाना खंडासा क्षेत्र के बेहटा गौहनिया मे देखने को मिला।मालूम हो कि ड्रोन व चोरी की अफवाह में ग्रामीणों द्वारा पानी के टंकी पर काम करने वाले व्यक्ति की ग्रामीणों ने पिटाई कर दिया।इस संबंध मे पीड़ित पानी की टंकी कर्मचारी के तहरीर पर दो दर्जन अज्ञात ग्रामीणों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।खंडासा पुलिस ने ग्रामीणों से अपील किया है कि चोर समझकर किसी की पिटाई न करे।आशंका होने पर तुरंत पुलिस अथवा 112 पर करें फोन।व अफवाहों से सावधान रहे।

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने पैदल गस्त कर शहर वासियो को कराया सुरक्षा का एहसास

अयोध्या। एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के पर्यवेक्षण व सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व मे शुक्रवार को महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक संजीव मिश्रा व महिला थाना मे तैनात पुलिस कर्मियो के साथ पैदल गस्त व वाहन चेकिंग अभियान चलाया।टीम मे शामिल पुलिस कर्मियों ने शहर वासियो को सुरक्षा के प्रति एहसास कराया।मंगलवार को शहर के कई मार्गो तथा पंडालों पर जाकर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला व उनकी टीम ने पैदल गस्त किया तथा कई मुहल्ले मे जाकर निरीक्षण किया।वहीं इसी कड़ी में उन्होंने वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जहां पर कुछ वाहन चालक बिना कागजात के पाए गए।खासकर उन वाहन चालकों को उन्होंने समझाया कि 1 सितंबर से हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाएं नहीं तो बिना हेलमेट के पेट्रोल डीजल नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि आप पुलिस के डर से हेलमेट न लगाकर अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाए क्योंकि पुलिस

सिर्फ आपसे जुर्माना वसूल सकती है।लेकिन अगर आपके साथ कोई अनहोनी होती है तो आपके साथ–साथ आपका परिवार भी संकट में पड़ेगा इसलिए आप पुलिस के डर न बल्कि अपनी सुरक्षा को लेकर हेलमेट लगाए।इस दौरान उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, उप निरीक्षक सोनी, उप निरीक्षक चेतना,प्रिया सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रही।

शौकत अली के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा– जेपी सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने बुधवार को एआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के खिलाफ कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन करते हुए शौकत अली के खिलाफ नारेबाजी किया। शौकत अली ने सार्वजनिक मंच से महाराजा सुहेलदेव को लुटेरा कहा था। सुभासपा के राष्ट्रीय महासचिव जय प्रकाश सिंह ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव ने आक्रांता सैय्यद सलार मसूद गाजी को पराजित कर देश और समाज की रक्षा की थी। प्रदर्शनकारियों के अनुसार शौकत अली का बयान तथ्यहीन और साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने वाला है। पार्टी नेताओं ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शौकत अली के खिलाफ मानहानि और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि

महाराजा सुहेलदेव करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक और राष्ट्ररक्षक थे। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके नाम पर डाक टिकट जारी किया है। साथ ही ट्रेन, मेडिकल कॉलेज और स्मारक पार्क भी स्थापित किए हैं। सुभासपा नेताओं ने कहा कि अगर शौकत अली के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर नरेंद्र मोदी विचार मंच मिशन न्यू इंडिया ने मरीजों को वितरित किए फल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर नरेंद्र मोदी विचार मंच धमिशन न्यू इंडिया के जिला अध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में यशस्वी, लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75 वां जन्मदिवस जिला चिकित्सालय के प्रांगण में बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर के के राय एवं महिला चिकित्सक अधीक्षक महेंद्र गुप्ता जी विशिष्ट अतिथि परम आदरणीय राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ संजय पांडे जी के द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की गई पहले भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर यशस्वी प्रधानमंत्री के चित्र पर चंदन लगाकर जन्म दिवस की केक काटा गया साथ ही चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण किया गया जिसमें संगठन के महामंत्री पवन प्रजापति जी गणेश साहू, किशन श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा,जिला

कत्ल के बाद तस्करों ने छात्र के ही फोन से ही खींचा खून से सने कपड़ों का स्टेट्स लगाया

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर के पादरी बाजार में नीट की तैयारी कर रहे 19 वर्षीय दीपक गुप्ता की बेरहमी से हुई हत्या ने पूरे इलाके को दहला दिया है। हत्या करने वाले तस्करों की हैवानियत यहीं खत्म नहीं हुई, सिर पर वार कर पहले तो मौत के घाट उतार दिया और फिर उन्होंने दीपक के मोबाइल से ही खून से सने कपड़ों में उसकी तस्वीर खींचकर व्हाट्सएप स्टेटस पर डाल दी। यह तस्वीर परिजनों और दोस्तों तक पहुंची तो गांव में आक्रोश और बढ़ गया। सोमवार देर शाम पोस्टमार्टम के बाद पिता दुर्गेश गुप्ता, जो कंपाउंडर का काम करते हैं, बेसुध से बार–बार यही कह रहे थे कि मेरा दीपक मुझे छोड़कर क्यों चला गया...। उसने तो डॉक्टर बनने का सपना देखा था...। गांव की गलियों में सन्नाटा और मातम का माहौल पसरा रहा। सैकड़ों की भीड़

उमड़ पड़ी। शाम करीब पांच बजे दीपक के अंतिम संस्कार की तैयारी की गई। पूरे गांव के लोग घाट पर पहुंचे। हर आंख नम थी। सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में पिता दुर्गेश गुप्ता ने कांपते हाथों से बेटे को मुखाग्नि दी। कई रिश्तेदार तो चिता के पास गिर पड़े और रोते हुए बेसुध हो गए। गांव की स्थिति की नाजुकता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने गांव को छावनी में तब्दील कर दिया। देर रात तक भारी संख्या में फोर्स तैनात रही। गांव की महिलाओं का कहना था कि उन्होंने कभी इतनी दर्दनाक घटना नहीं देखी। हर कोई दीपक की पढ़ाई और उसके सपनों का जिक्र कर रहा था। जैसे ही पुलिस और पीएसी जवान गांव में सुरक्षा के साथ शव लेकर पहुंचे, महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित महिलाओं ने पुलिस पर फिर पथराव कर दिया। उनका कहना था कि अगर पुलिस ने समय रहते कार्रवाई की होती तो दीपक की जान बच सकती थी। पथराव में कई जवानों को हल्की चोटें भी आईं। पथराव के दौरान कई पुलिस कर्मी भागते नजर आए। गांव की महिलाओं का कहना था कि उन्होंने कभी इतनी दर्दनाक घटना नहीं देखी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।